डॉ. सुनील कुमार 'सुमन' को "गोंडवाना भूषण सम्मान"

हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सुनील कुमार 'सुमन' को गोंडवाना जंगोम दल और उलगुलान आदिवासी साहित्य व सांस्कृतिक मंच, वर्धा की तरफ से "गोंडवाना भूषण सम्मान" से नवाजा गया है। उन्हें यह सम्मान विगत 09 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में क्षेत्र बंधन हटाओ आंदोलन की कार्यकर्ता रहीं सखुबाई तुमडाम के द्वारा प्रदान किया गया। 2009 से महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में कार्यरत डॉ. सुनील ने नई दिल्ली स्थित

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से एम-फिल व पी-एच.डी. की डिग्री हासिल की। इनके आलेख-लघुकथा-नाटक-बाल साहित्य आदि देश की प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में छपते रहे हैं और इनकी पुस्तकें भी प्रकाशित हैं। नाट्य-लेखन के लिए आपको हिंदी अकादमी, दिल्ली सरकार, दिल्ली से दो बार प्रथम पुरस्कार मिल चुका है। 2013 में लॉर्ड बुद्धा मैत्री संघ (लॉर्ड बुद्धा टीवी चैनल, नागपुर) द्वारा आपको "शिक्षा मैत्री सम्मान" से सम्मानित किया गया। छात्र-जीवन से ही आप दलित-आदिवासी आंदोलनों और इनसे जुड़ी अकादमिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से आप विदर्भ के आदिवासी गाँवों में गोंडी भाषा-संस्कृति को लेकर अलख जगाने का काम कर रहे हैं। दलित-आदिवासी अस्मिता और उसकी वैचारिकी को लेकर आप नियमित रूप से अकादमिक लेखन-प्रबोधन करते रहते हैं।